उत्तर प्रदेश मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0
सी–238, निरालानगर, लखनऊ

प्रदेश में मत्स्य पालकों की सामाजिक स्थिति सुदृढ करने के उद्देश्य से उ0प्र0 शासन ने मत्स्य पालकों की सहकारी समितियॉ गठित करने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के माध्यम से मत्स्य विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जाता है। प्रदेश में मत्स्य सहकारिता का त्रिस्तरीय ढॉचा रखा गया जिसमें प्रदेश स्तर पर उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0 जनपद स्तर पर जिला सहकारी मत्स्य विकास एवं विपणन फेडरेशन लि0 तथा न्याय पंचायत स्तर पर मत्स्य जीवी सहकारी समितियों का गठन करना निश्चित किया गया।

उपर्युक्त मत्स्य सहकारी समितियों के त्रिस्तरीय ढॉचा के अन्तर्गत उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0 लखनऊ का गठन किया गया, जिसकी निबन्धन संख्याः 89 एवं निबन्धन तिथि 19.06.1985 है। संघ को कार्यशील बनाने के उद्देश्य से माह नवम्बर 1993 के द्वितीय सप्ताह में संघ में प्रबन्ध निदेशक की नियुक्ति की गयी।

प्रदेश की मत्स्य सहकारी समितियों को सदस्यता कार्यक्रम के अन्तर्गत आच्छादित करते हुए संगठनात्मक स्थिति सुदृढ़ किया जाना, संघ की सदस्य समितियों/जनपदीय संघों की सामाजिक, आर्थिक व व्यवसायिक स्थिति सुदृढ़ किये जाने के उद्देश्य से उनके सशक्तिकरण हेतु शक्तिकरण योजनान्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदत्त किया जाना, एन0सी0डी0सी0/आई0सी0डी0पी0 व अन्य योजनाओं में वित्तीय सहायता प्रदान कराये जाने में अपेक्षित सहयोग किया जाना, सदस्य समितियों के माध्यम से व्यवसाय परक कार्यो का संचालन तथा अन्य प्रोन्नतीय कार्यो के साथ–साथ संघ को अपने आप में स्वावलम्बी बनाये जाने हेतु प्रयास व सहकारिता के माध्यम से मत्स्य व्यवसाय कार्यक्रमों के संचालन में गतिशीलता लाकर प्रदेश में मत्स्य सहकारिता की नींव सुदृढ़ किया जाना संघ की मूलभूत धारणा है।

गैर व्यवसाय परक कार्य

उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0, लखनऊ के गठन से लेकर 31 मार्च, 2013 तक प्रदेश की कुल 436 प्राथमिक मत्स्य जीवी सहकारी समितियॉ एवं 12 जिला सहकारी मत्स्य विकास एवं विपणन संघ लि0, द्वारा संघ की सदस्यता ग्रहण कर चुकी है। सदस्यता ग्रहण कर चुकी समितियों में से 75 प्राथमिक समितियों एवं 05 जिला सहकारी मत्स्य विकास एवं विपणन संघ लि0, लखनऊ को शक्तिकरण योजनान्तर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी गयी है।

व्यवसाय परक कार्यः–

1. मत्स्य सहकारी एक्वा शाप

मछुवा समुदाय की सहकारी समितियो मत्स्य पालकों, हैचरियों एवं मत्स्य व्यवसायियों को उनके कार्य व्यवसाय को दृष्टिगत रखते हुए उन्हे एक छत के नीचे उनके व्यवसाय से सम्बन्धित समस्त आवश्यक सामग्रियों को उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत उ0प्र0 मत्स्य जीवी सहकारी संघ लि0, लखनऊ द्वारा मत्स्य सहकारी एक्वा शाप शाप संख्या 12 गोविन्द प्लाजा, चिनहट तिराहा, लखनऊ में खोली गयी है, जिसके अन्तर्गत यू.पी. एग्रो द्वारा निर्मित मत्स्य आहार, पोल्ट्री एवं पशु आहार, मै. गाइब्रो केमिकल्स, मुम्बई द्वारा निर्मित प्रोबायोटिक्स एवं फीड एडीटिव्स, मै. दुर्गा इण्टरप्राइजेज, भुवनेश्वर द्वारा विपणित सीफैक्स, तथा जाल कांटा डोर इत्यादि की सहकारी समितियों को उप डीलरशिप देकर एवं सीधे बिक्री की जा रही है।

2.जलाशय प्रबन्ध व्यवस्थाः–

उ0प्र0 शासन द्वारा माह दिसम्बर, 2003 में सिंचाई विभाग के 03 एवं मत्स्य विभाग के 06 जलाशय की प्रबन्ध व्यवस्था संघ को हस्तान्तरित की गयी।

जनपद	जलाशय	क्षेत्रफल (हेक्ट0)
ललितपुर	सहजाद	2993
ललितपुर	सजनम	2375
मिर्जापुर	अदवा	1667
गोरखपुर	सरूआताल	256
मिर्जापुर	मेजा	1800
सोनभद्र	नगवा	1220
सोनभद्र	ओबरा	1750
महोबा	अर्जुन	1823
जौनपुर	गूजरताल	88.6